न्यूज डायरी

चीन ने पूरी गलवान घाटी को बताया अपना इलाका, भारत को दूर रहने की चेतावनी

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) पेइचिंग। चीन से फैले कोरोना संक्रमण के कारण आज पूरी मानवता कराह रही है लेकिन चीन अपने गुनाहों पर पर्दा डालने के लिए कुछ और ही साजिश रच रहा है। हाल के दिनों में उसने भारत से लगती लद्दाख सीमा पर अपनी गतिविधियां तेज कर दी हैं और वहां लगातार अपनी ताकत बढ़ रहा है। उसकी सेना ने गलवान घाटी में कई टेंट लगाए हैं और पैगोंग झील में अपनी गश्त बढ़ा दी है। लेकिन सीमा पर तनाव के लिए वह उल्टे भारत को ही जिम्मेदार ठहरा रहा है। चीन के सरकारी अखबार ग्लोबल टाइम्स का कहना है कि गलवान घाटी चीन का इलाका है और भारत जानबूझकर वहां विवाद पैदा कर रहा है। भारत गलवान घाटी में चीन के इलाके में अवैध तरीके से डिफेंस फैसिलिटीज का निर्माण कर रहा है। इस कारण चीन की सेना के पास इसका जवाब देने के अलावा कोई चारा नहीं है। इससे दोनों पक्षों के बीच सीमा पर विवाद बढ़ने की आशंका है।

रूस में सेना का एक हेलिकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त, चार लोगों की मौत

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) मॉस्को। रूस का एक सैन्य हेलिकॉप्टर सुदूर पूर्वी क्षेत्र चुकोत्का में हवाई अड्डा क्षेत्र में उतरते समय मंगलवार को दुर्घटनाग्रस्त हो गया और उसमें सवार सभी चारों लोग हादसे में मारे गए।रक्षा मंत्रालय ने बताया कि तकनीकी खराबी के कारण एमआई–8 हेलिकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त हो गया। चुकोत्का के गवर्नर के अनुसार हादसे में हेलिकॉप्टर में सवार चालक दल के तीनों सदस्य और एक तकनीकी विशेषज्ञ मारा गया। पिछले एक सप्ताह के अंदर सेना का यह दूसरा एमआई–8 हेलिकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त हुआ है। 19 मई को हुए हादमें में चालक दल के तीन सदस्य मारे गए थे।

जिन देशों ने पाया काबू वहां दोबारा आ सकता है कोरोना संकटः डब्ल्यूएचओ

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) जिनीवा। कोरोना संकट के बीच विश्व स्वास्थ्य संगठन ने महामारी के दूसरे फेज की चेतावनी दी है। डब्ल्यूएचओ का कहना है कि जिन देशों में संक्रमण कम हो गया है वहां तुरंत कोरोना का दूसरा चरण देखने को मिल सकता है। डब्ल्यूएचओ का कहना है कि कोरोना संक्रमण कम होने वाले देशों में लॉकडाउन में ढील दी जा रही है जो इससे दोबारा पीक पर होने की वजह बन सकता है। डब्ल्यूएचओ इमर्जेंसी हेड डॉ. माइक रेयान ने प्रेस ब्रीफिंग में कहा, श्यह देखा जा रहा है कई देशों में कोरोना के मामलों में कमी आई है लेकिन सेंट्रल और साउथ अमेरिका, साउथ एशिया और अफ्रीका में इसके मामले बढ़े हैं। रेयान ने कहा कि महामारी अक्सर लहरों की तरह आती है। इसका मतलब है कि हो सकता है कि जिन देशों में कोरोना के संक्रमण से काबू पा लिया है वहां यह फिर से उबरने लगे। उन्होंने कहा आगाह करते हुए कहा कि अगर कोरोना को रोकने के उपायों में जल्दी ढील दी गई तो हो सकता है कि कोरोना का दूसरा चरण पहले से भी ज्यादा घातक हो।

कोरोना की दवा को लेकर बड़ी खबर, इंसान पर ट्रायल जल्द

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) कैनबरा। कोरोना महामारी से कराह रही दुनिया के लिए एक अच्छी खबर है। अमेरिका की एक बायोटेक्नोलॉजी कंपनी ने ऑस्ट्रेलिया में कोरोना वायरस संक्रमण की दवा का मनुष्यों में परीक्षण शुरू करने की घोषणा की है और इस महामारी की दवा इसी वर्ष आने की उम्मीद जताई है। बायोटेक्नोलॉजी कंपनी नोवावैक्स के प्रमुख शोधकर्ता डॉ. ग्रिगोरी ग्लेन ने बताया कि कंपनी ने पहले चरण का परीक्षण शुरू कर दिया है जिसमें ऑस्ट्रेलिया के मेल्बर्न और ब्रिस्बेन शहरों के 131 स्वयंसेवकों पर दवा का परीक्षण किया जाएगा। ग्लेन ने नोवावैक्स के मैरीलैंड स्थित मुख्यालय से ऑनलाइन प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, 'हम दवा और टीकों का साथ–साथ यह सोच कर निर्माण कर रहे है कि हम दिखा पाएंगे कि यह कारगर है और वर्ष के अंत तक इसे लोगों के लिए उपलब्ध करा सकेंगे।' गौरतलब है कि चीन, अमेरिका और यूरोप में करीब दर्जन भर प्रायोगिक दवाएं परीक्षण के प्रारंभिक चरण में हैं अथवा उनका परीक्षण शुरू होने वाला है।

कोरोना तो केवल झांकी है, असली तस्वीर अभी बाकी

चमगादड़ जैसे जंगली जानवरों में मौजूद हैं कोरोना जैसे कई खतरनाक वायरस

चेतावनी

■कोरोना से निपटने के लिए पूरी दुनिया को मिलकर काम करने की जरूरतः डिप्टी डायरेक्टर

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

पेइचिंग। चीन के वुहान से निकले कोरोना वायरस ने पूरी दुनिया में कोहराम मचा रखा है। यह महामारी अब तक करीब 56 लाख लोगों को अपनी चपेट में ले चुकी है जिनमें से करीब साढ़े तीन लाख लोगों की मौत हो चुकी है। लेकिन चीन में चमगादड़ों पर शोध के लिए मशहूर एक महिला वायरोलॉजिस्ट का कहना है कि कोरोना वायरस तो महज झांकी है, असली तस्वीर अभी बाकी है। उनका कहना है कि चमगादड़ों में कोरोना जैसे कई खतरनाक वायरस मौजूद हैं।

चीन की 'बैट वूमैन' ने नाम से मशहूर वुहान इंस्टीट्यूट ऑफ वायरोलॉजी की डिप्टी डायरेक्टर शी झेंगली ने कहा कि चमगादड़ जैसे जंगली जानवरों में कोरोना जैसे कई ज्यादा खतरनाक वायरस मौजूद हैं और अगर समय रहते उनका पता नहीं लगाया गया तो आने वाले दिनों में दुनिया को इस तरह की और महामारी का सामना करना पड़ सकता है। वुहान इंस्टीट्यूट ऑफ वायरोलॉजी वही लैब है जहां से कोरोना के फैलने की बात कही जा रही है।

कोरोना से खतरनाक वायरसः झेंगली ने कहा कि वायरसों के बारे में हो रहे शोध के बारे में सरकारों और वैज्ञानिकों को पारदर्शी रुख अपनाने की जरूरत है। चीन पर कोरोना के बारे में समय रहते दुनिया को सही जानकारी नहीं देने के आरोप लग रहे हैं। लेकिन झेंगली उन्होंने कहा कि विज्ञान का राजनीतिकरण खेदजनक है। उन्होंने चीन के सरकारी चौनल सीसीटीएन से बातचीत में अगर हमें मानवता को अगली महामारी से बचाना है तो हमें जंगली जानवरों में पाए जाने वाले अंजान वायरसों पर शोध करना चाहिए और उनके बारे में अग्रिम चेतावनी देनी चाहिए। अगर हम उनके बारे में नहीं जानेंगे तो इससे भी बड़ी महामारी फैल सकती है। उन्होंने कहा कि कोरोना से निपटने के लिए पूरी दुनिया को मिलकर काम करने की जरूरत है।

लैब से नहीं फैला है कोरोनाः कोरोना को लेकर चीन और अमेरिका के रिश्तों में खटास बढ़ी हैं। अमेरिका का आरोप है कि कोरोना वुहान की लैब से फैला था और चीन ने शुरुआत में इसे छिपाने की कोशिश की थी। लेकिन चीन ने इन आरोपों का खंडन किया है। झेंगली ने अमेरिका के आरोपों को खारिज कर दिया। उन्होंने कहा कि जिन वायरसों पर वह काम करती हैं उनका जेनेटिक्स कोरोना वायरस से नहीं मेल नहीं खाते हैं।

झेंगली ने 2004 में वायरसों पर शोध शुरू किया था जब सार्स ने कहर ढाया था। तब से वह सभी तरह के चमगादड़ों का अध्ययन किया है। 2013 में उन्हें उस समय सफलता मिली जब उन्हें पता चला कि चमगादड़ का मल 96.2 फीसदी सार्स सीओवी–2 की तरह होता है। 2015 में उन्होंने अपने शोध में पाया था कि सार्स जैसे वायरस चमगादड़ से इंसान में आ सकता है।

अमेरिका में भारतवंशी जोड़े ने बनाया बेहद सस्ता पोर्टेबेल वेंटिलेटर

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

वॉशिंगटन। अमेरिका में भारतवंशी जोड़े ने कम लागत वाला एक पोर्टेबल इमर्जेंसी वेंटिलेटर इजाद किया है जिसका जल्द ही उत्पादन शुरू किया जाएगा और उसे भारत और अन्य विकासशील देशों को जल्द उपलब्ध कराया जाएगा। जॉर्जिया टेक के जॉर्ज डब्ल्यू वुडरफ स्कूल ऑफ मकैनिकल इंजिनियरिंग के प्रफेसर देवेश रंजन और उनकी डॉक्टर पत्नी कुमुद रंजन अटलांटा में रहते हैं और उन्होंने तीन सप्ताह के अंदर एक प्रोटोटाइप वेंटिलेटर तैयार किया है।

प्रोफेसर रंजन ने बताया, अगर आप इस सत्र का निर्माण कर सकते हैं, तो यह 100 डॉलर से भी कम लागत पर बन जाएगा। अगर 500 डॉलर हो तो मेन्यूफैक्चर करने वालों के पास हो तो वे ये सुनिश्चित करेंगे कि मार्केट में उन्हें ज्यादा लाभ मिले। प्रफेसर देवेश ने कहा कि इस तरह के वेंटिलेटर अमेरिका में औसतन 10,000 डॉलर में बनते हैं। रंजन हालांकि बताते हैं कि उनका वेंटिलेटर आईसीयू के लिए नहीं है क्योंकि उसमें और लागत आएगी। देवेश और कुमुद ने ओपन–एयरवेंट जीटी का निर्माण किया है ताकि स्वसन संबंधी गंभीर सिंड्रोम से पीड़ित मरीज का इलाज हो सके, जो लक्षण कोविड19 में सामान्य बात हैं।

डोकलाम से बड़ा हो सकता है लद्दाख का विवाद

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) पेइचिंग। भारत और चीन के बीच सीमा विवाद लगातार गहराता जा रहा है। हाल के दिनों में लद्दाख में दोनों देशों की सेनाओं के बीच तनातनी बढ़ी है। कोरोना को लेकर चौतरफा आरोपों से घिरा चीन मई के पहले हफ्ते से ही लद्दाख में लगातार अपनी ताकत बढ़ा रहा है। उसने गलवान घाटी को अपना इलाका बताया है और भारत को उससे दूर रहने की चेतावनी दी है। भारत ने भी वहां अतिरक्त सैनिक भेजे हैं, इससे आने वाले दिनों में सीमा पर तनाव और बढ़ने की आशंका है। चीन का कहना है कि गलवान घाटी का विवाद डोकलाम से भी बड़ा हो सकता है। 2017 में डोकलाम में कई दिनों तक दोनों देशों की सेनाएं आमने–सामने रही थीं। आखिरकार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की चीन यात्रा से इसका पटाक्षेप हुआ था।

वेस्ट बैंक के बाकी बचे हिस्से पर कब्जा करेगा इजरायल

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

यरूशलम। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा है कि वह कब्जे वाले वेस्ट बैंक के बचे अन्य हिस्सों को भी अपने देश में शामिल करेंगे। यह एक ऐसी योजना है जिसका विरोध उनके महत्वपूर्ण सहयोगी भी कर रहे हैं। वहीं व्यापक स्तर पर अंतरराष्ट्रीय समर्थन के साथ फिलिस्तीनी लोगों का मानना है कि पूरा वेस्ट बैंक उनका है। वह लगातार इसे लौटाने की मांग करते रहे हैं।

फिलिस्तीन के लोग इस क्षेत्र को अपने भविष्य के स्वतंत्र देश का सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा बताते हैं। इस क्षेत्र के बड़े हिस्से पर कब्जा करना पूरी तरह से 'दो देश समाधान' की उम्मीद को क्षीण कर देगा।

जाने नहीं देंगे अवसरः प्रत्यक्ष तौर पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन के साथ दोस्ताना संबंध का हवाला देते हुए नेतन्याहू ने सोमवार को कहा कि इजराइल के पास मध्यपूर्व के मानचित्र को फिर से बनाने का ऐतिहासिक मौका है और इसे गंवाना नहीं चाहिए। इजराइल की मीडिया के मुताबिक, नेतन्याहू ने कहा कि वह जुलाई में कदम उठाएंगे। उन्होंने अपने रूढ़िवादी लिकुड पार्टी के सदस्यों से कहा, यह एक ऐसा अवसर है जिसे हम जाने नहीं देंगे।

अरब, यूरोप से बढ़ेंगे इजरायल के मतभेदः प्रधानमंत्री ने कहा कि वेस्ट बैंक को कब्जे में लेने का इससे बड़ा ऐतिहासिक अवसर इजराइल की 1948 में हुई स्थापना के बाद से अब तक नहीं मिला था। इन टिप्पणियों से अरब और यूरोपीय सहयोगियों के साथ इजराइल के मतभेद बढ़ सकते हैं और वॉशिंगटन में भी इजराइल को लेकर पार्टियों के बीच विवाद और भी गहरा सकता है।

एयरोस्पेस कंपनी वर्जिन ऑर्बिट का पहला रॉकेट प्रक्षेपण असफल

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) लॉस एंजेलिस। एयरोस्पेस कंपनी वर्जिन ऑर्बिट, बोइंग 747 के जरिए नए रॉकेट को टेस्ट करने के अपने पहले प्रयास में विफल हो गई है। रॉकेट को दक्षिण कैलिफोर्निया के तट के पास प्रशांत महासागर में छोड़ा गया था। उद्घाटन प्रक्षेपण तब तक ठीक–ठाक जा रहा था जब रॉकेट को जम्बो जेट कॉस्मिक गर्ल के बाईं तरफ से हवा में छोड़ा गया।

वर्जिन ऑर्बिट ने अपने आधिकारिक ट्विटर हैंडल पर सोमवार को बयान जारी कर पुष्टि की। कंपनी ने कहा, श्हमने विमान से उसे बहुत अच्छे ढंग से छोड़े जाते हुए देखा। हालांकि, मिशन उड़ान के दौरान ही जल्द समाप्त हो गया। कॉस्मिक गर्ल और विमान में सवार हमारे चालक दल के सदस्य सुरक्षित हैं और बेस पर लौट रहे हैं। इस बात पर तत्काल कोई टिप्पणी नहीं की गई कि उस रॉकेट में क्या समस्या आई जो इस परीक्षण उपग्रह को लेकर जा रहा था। वर्जिन ऑर्बिट के विशेष परियोजनाओं के उपाध्यक्ष विल पोमीरैंट्ज ने परीक्षण से पहले शनिवार को एक वार्ता में बताया था कि पहले रॉकेट प्रक्षेपण के लिए होने वाले परीक्षणों में से आधे विफल हो जाते हैं।